भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-19 अंक-01 वि. स. 2079 युगाब्द 5124 मार्च-2023 वार्षिक चंदा 200/- मूल्य प्रति - 20/-

मार्गदर्शक :

- डॉ कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :

- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :

- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मो: 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

आलोकः प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सदस्यता शुल्क : 12 वर्षीय चंदा - रू 2000/- संरक्षक सहयोग राशि - रू 5000/-

जन्म- 476 पुण्यतिथि - 550

आर्यभट्ट

प्रखर खगोल विज्ञानी,
आर्यभट्ट का नाम।
आविष्कारक शून्य के,
तुमको नमन प्रणाम।।

- शिव

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 29 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. सचल चिकित्सा सेवा - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. नेत्र चिकित्सा सेवा - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. विकलांग सहायता सेवा - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. छात्रवृत्ति- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000।
6. सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) - रु. 2,000 की आजीवन (10 **वर्षीय**) सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. सेवा संवाद (मासिक) - रू. 2,000 की 12 **वर्षीय** एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. माधव सेवा आश्रम - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. विश्राम सदन दिल्ली - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित **माधव सेवा विश्राम सदन** के भवन निर्माण हेतू अधिकाधिक सहयोग अपेक्षित है।
11. अक्षय सेवा - दिल्ली में एम्स एवं दो अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
12. CSR फंड - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी FCRA के अन्तर्गत दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - भारतीय स्टेट बैंक, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली - खाता सं. 41171580896 (IFSC : SBIN0013182)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

प्राचीन काल में कागज के आविष्कार के पूर्व से ही ज्ञान-विज्ञान, इतिहास आदि, स्मृति से स्मरण कर, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाया जाता था। स्मृति से ही श्रुतियों वेदों की रचना हुई है। स्मृति एक मानसिक क्रिया है जिसकी सहायता से हम गत अनुभवों को जो कि मानसिक संस्कार के रूप में हमारे अचेतन मन में विद्यमान रहते हैं, अपनी वर्तमान चेतना में लाते हैं। हमारे व्यावहारिक जीवन में अनेक प्रकार की घटनाएँ घटित होती रहती हैं या हम किसी स्थान या वस्तु को देखते हैं तो उनसे कुछ अनुभव प्राप्त होते हैं जो कि सदा चेतन मन में नहीं रहते किन्तु अचेतन मन में बने रहते हैं। इन अनुभवों की छाप मस्तिष्क में अंकित हो जाती है। अचेतन मन में संचित इन्हीं अनुभवों के चेतन मन में आने की क्रिया को स्मृति कहते हैं। भगवद गीता के अनुसार "सर्वस्य चाहं हृदि सन्निविष्टो मत्तः स्मृतिर्ज्ञानमपोहनं च ।" अर्थात-स्मृति, ज्ञान और विस्मृति मुझसे ही आती है।" भगवान की अहैतुकी कृपा से व्यक्ति स्मृति - ज्ञान से आलोकित होता है, और भगवान की माया शक्ति से वह ज्ञान लुप्त भी हो जाता है और तब व्यक्ति अज्ञान में विलीन हो जाता है। भगवान ने ही हमारे भीतर ज्ञान और स्मृति से युक्त अद्‌भुत तंत्र सृजित किया है जिससे हमारे सभी कार्य और व्यवहार यंत्रवत स्वतः सम्पन्न होता रहता है। वर्तमान समय में प्रौद्योगिकी की भाषा में हम मस्तिष्क की धातु सामग्री को (हार्डवेयर) और मन की प्रक्रिया सामग्री को (सॉफ्टवेयर) के समान कहते है। आज सभी प्रकार की प्रगति के बावजूद भी कम्प्यूटर की मानव मस्तिष्क तथा उसके क्रिया कलापों के साथ ईश्वर प्रदत्त मानव मस्तिष्क सेतुलना नहीं की जा सकती।क्योंकि मानव मस्तिष्क तो लोगों के उनके चेहरों पर आए परिवर्तन के बावजूद भी सरलता से उनकी पहचान कर लेते हैं। जबकि कम्प्यूटर अपरिवर्तित चेहरों की भी ठीक प्रकार से पहचान नहीं कर सकता। तात्पर्य यह है कि प्रकृति प्रदत्त स्मृति और ज्ञान के समान कम्प्यूटर प्रदत्त ज्ञान- स्मृति नहीं हो सकता। श्रीकृष्ण कहते हैं कि स्मृति और ज्ञान के अद्‌भुत गुण उन्हीं (अर्थात परमात्मा से)से प्राप्त होते हैं।वर्तमान समय में स्मृति के आधार पर ही हमारे अधिकांश कार्य सम्पन्न होते हैं। स्मृति सम्पदा से ही लोग सभी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होते हैं। अस्तु स्मृति का विकासअत्यन्त आवश्यक है। स्मृति का विकास करने के लिए अवचेतन मन के कार्यों का ज्ञान होना आवश्यक है। अवचेतन मन में ही अधिकांश मानसिक कार्यों का प्रतिपादन होता है। प्राचीन काल में संस्कृत के विद्वान् वेदों को कण्ठस्थ कर लेते थे। शिक्षा की उस गुरुकुलीय प्रणाली में एक विशिष्ट सौन्दर्य था— स्मृति शक्ति को अप्रत्याशित सीमा तक विकसित करने की क्षमता। गुरुकुलीय प्रणाली के आधार पर शिक्षा देने से विद्यार्थी की स्मृति प्रतिभा को पूर्ण बल मिलता है। स्मृति-प्रतिभा के विकास के लिए ब्रह्मचर्य का पालन अनिवार्य है। खान-पान में सुचर्या का पालन और इन्द्रियों का संयम धारणा-शक्ति के विकास में अति-आवश्यक समझा जाता है। वीर्य, बुद्धि तथा चित्त का घनिष्ठ सम्बन्ध है। वीर्य के रूप में जीवन-शक्ति के पतन हो जाने से स्मृति का लोप होने लगता है। आज के नवयुवक ब्रह्मचर्य के महत्त्व को नहीं समझते हैं। ब्रह्मचर्य के बल पर ही देवताओं ने मृत्यु पर विजय प्राप्त की 'ब्रह्मचर्येण देवाः मृत्यमुपाघनत्'--गीता । समाज के लोगों, धार्मिक व शैक्षिक संस्थानों में भी विद्यार्थियों के ब्रह्मचर्य के प्रति सजगता का भाव तथा प्रयत्न नहीं है। अनेक मार्गों से उनकी विषय-वासना उभरती रहती है। वे मनमाना भोजन करते हैं। भोजन का मन और शरीर पर गहरा प्रभाव पड़ता है—यह तथ्य उनकी समझ में आता ही नहीं। हमारी स्मृति यदि ठीक है तो हर बात हम सीख सकते हैं और दूसरे को सिखा सकते हैं। हमारे सभी शिक्षक, अभिभावक माता-पिता, अपने विद्यार्थियों, के स्मृति विकास के सम्बन्ध में जागरूक रहें, बच्चों के खान-पान उनके शारीरिक सौष्ठव तथा ब्रह्मचर्य, अच्छे स्मृति के लिए प्रयत्न करें। होली के पावन पवित्र पर्व पर बुराई का परित्याग कर अच्छाई को ग्रहण कर,सुख-दुख सहकर सत्य और सेवा जैसे कल्याणकारी मार्ग पर चलते हुए अपने वर्तमान को उत्तम बनाने के शुभ संकल्प और सद्भाव के साथ यह अंक आप को समर्पित है।

@ शिव

माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश

ऋषिकेश एम्स में उपचार के लिए आने वाले रोगियों के परिचारकों को एम्स के निकट कोई अच्छा व उनके द्वारा वहन करने योग्य कोई स्थान उपलब्ध न होने के कारण उन्हें एम्स के अन्दर व बाहर खुले में या गंगा किनारे रहने को विवश होना पड़ता है जो खराब मौसम में तो अत्यंत दुष्कर हो जाता है। सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले रोगियों को यदि कुछ अधिक दिन रहना पड़े तो उनके लिए यह एक असंभव सी स्थिति बन जाती है। माताओं, बहनों व छोटे बच्चों के लिए तो यह एक अकल्पनीय स्थिति है।

उनके इन कष्टों के निवारण हेतु न्यास ने दिल्ली व अन्य 4 स्थानों पर न्यास की योजना से चल रहे विश्राम सदनों की तरह ही यहाँ पर एक विश्राम सदन चलाने का निर्णय लिया था। माधव सेवा विश्राम सदन में परिचारकों को एक अच्छी व सस्ती सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। लगभग 400 बिस्तरों की सुविधा वाला विश्राम सदन बनाने का कार्य गत अगस्त 2022 में प्रारम्भ किया गया था।

निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति:

निर्माण कार्य अपने लक्ष्य के अनुसार ही आगे बढ़ रहा है। बेसमेंट, भूतल और प्रथम तल की छत डालने के पश्चात अब द्वितीय तल के एक तिहाई भाग की छत भी डल चुकी है और इस तल की छत डालने का काम भी जल्द ही पूर्ण हो जाएगा। तृतीय तल का कार्य भी साथ ही चल रहा है और अप्रैल के मध्य तक उसकी छत डालने का कार्य प्रारम्भ होने की आशा है।

निर्माण कार्य हेतु तय किए गए अनुभवी वास्तुकार और विभिन्न विषयों के लिए आवश्यक तकनीकी सलाहकार अपने-अपने दल के साथ इस कार्य की प्रगति का ध्यान कर रहे हैं। मिस्त्री, मजदूर व अन्य विधाओं के जानकार कर्मचारियों की प्रतिदिन की औसत संख्या 65 से 70 के बीच रहती है। साथ ही न्यास की ओर से इस निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का ध्यान रखने की दृष्टि से तीन

कार्यकर्ता नियमित रूप से वहां नियुक्त किए गए हैं। इस सदन का निर्माण कार्य व्यवस्थित ढंग से हो, इस दृष्टि से प्रकल्प प्रमुख श्री संजय गर्ग जी और इस हेतु गठित निर्माण समिति के कार्यकर्ता तो नियमित अंतराल में वहां आते ही रहते हैं, साथ ही न्यास के अध्यक्ष, सचिव एवं कुछ अन्य प्रमुख कार्यकर्ता भी वहां आकर अपने बहुमूल्य सुझाव देते हैं।

निर्माण कार्य प्रारम्भ होने के पश्चात हर 15 दिनों में एक बार निर्माण समिति में से कुछ का जाना होता रहता है। निर्माण कार्य के नियमित निरीक्षण हेतु 2 इंजिनियर हर समय वहां रह कर निगरानी करते हैं। एक विशेषज्ञ की आवश्यकता अनुसार जाने की व्यवस्था भी की गई है। सदन के निर्माण कार्य के विधिवत समापन के लिए दिसम्बर 2023 का लक्ष्य लिया गया है।

आपका सहकार

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संघ के द्वितीय सरसंघचालक परमपूजनीय माधव राव जी गोलवलकर की स्मृति में देवभूमि ऋषिकेश में एम्स अस्पताल के निकट माधव सेवा विश्राम सदन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस सदन का उपयोग साधु संतों, एम्स ऋषिकेश में उपचार के लिए आने वाले रोगियों व उनके सहायकों द्वारा किया जाएगा। यह कार्य आपका अपना ही है, इसे अनुभव करते हुए आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप उदार हृदय से इस सेवा प्रकल्प हेतु यथा संभव सहयोग करें। आपके द्वारा दी गई राशि 80-G के अंतर्गत छूट प्राप्त है। आप CSR फंड के अंतर्गत भी सहयोग कर सकते हैं। आपका यही सहयोग निर्मित होने वाले इस विश्राम सदन के शीघ्रातिशीघ्र साकार रूप लेने में सहायक होगा।

आपके परिवार में सुख-समृद्धि के लिए शुभकामनाएं।

भारतीय स्टेट बैंक, केंद्रीय सचिवालय, नई दिल्ली

A/C: 40692412361
IFSC : SBIN0000625

आर्थिक सहयोग के लिए आवश्यक जानकारी :

MCA में न्यास की CSR पंजीकरण संख्या **CSR00004454**
80G में न्यास की पंजीकरण संख्या **AAATB1049GF20217**
न्यास की FCRA पंजीकरण संख्या **136550134**

महामना शिक्षण संस्थान

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प के छात्रावास का भूमि पूजन समारोह भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प के छात्रावास का भूमि पूजन समारोह संत रविदास के प्राकट्य दिवस माघ पूर्णिमा श्री संवत 2079 तदनुसार 5 फरवरी 2023 दिन रविवार को प्रातः 8:00 से काशी के प्रकांड कर्मकांडी आचार्य धनंजय तिवारी जी ने अपने अन्य तीन विद्वान आचार्यों के सहयोग से पूर्ण विधि-विधान के साथ प्रारंभ किया। यजमान के रूप में प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक डॉक्टर निखिल सिंह सपत्निक उपस्थित रहे। पूजन समारोह के साक्षी डा०कृष्ण गोपाल जी सह सरकार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, श्रीमान अनिल जी क्षेत्र प्रचारक पूर्वी क्षेत्र, श्रीमान कौशल जी प्रांत प्रचारक अवध प्रांत, श्रीमान मनोज जी सह प्रांत प्रचारक अवध प्रांत एवं महामना शिक्षण संस्थान बालक/ बालिका प्रकल्प के कोर कमेटी के सभी सदस्य/ सदस्याओं के अतिरिक्त लगभग 200 से अधिक गणमान्य बंधु /भगिनी उपस्थित रहे। हवन और आरती के पश्चात प्रसाद वितरण कर पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम के पश्चात मंचीय कार्यक्रम अपने पूर्व निर्धारित समय दोपहर 12:00 बजे से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, मुख्य वक्ता के रूप में सह सर कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ कृष्ण गोपाल जी एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर शैल चंद्रा कुलकर्णी जी का आगमन मंच पर हुआ। दीप प्रज्ज्वलन तथा कुलगीत के गायन के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों के द्वारा भूमि पूजन के शिलापट्ट का अनावरण किया गया। मंचासीन अतिथियों का परिचय कार्यक्रम की संचालिका प्रोफेसर शीला मिश्रा लखनऊ विश्वविद्यालय ने कराया तथा महामना शिक्षण संस्थान के बालक/ बालिका प्रकल्प के कोर कमेटी के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ, श्रीफल, अंग वस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत और अभिनंदन करते हुए अतिथियों को सम्मानित किया। तत्पश्चात संस्थान के सचिव श्री रंजीव तिवारी के आवाहन पर अब तक संस्थान के सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को (जो देश के विभिन्न प्रतिष्ठित प्रौद्योगिक संस्थानों में अध्ययनरत हैं) मुख्यमंत्री जी ने अपने हाथों से मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। संस्थान में अध्ययनरत छात्रों को अपने कुशल शिक्षण द्वारा उच्च शिखर पर पहुंचाने वाले शिक्षक व निदेशक रुबिक्स रोस्ट्रम कोचिंग संस्थान लखनऊ के श्री आदित्य कुमार सिंह को

न्यास के एक प्रकल्प महामना शिक्षण संस्थान लखनऊ द्वारा आर्थिक रूप से पिछड़े प्रतिभावान विद्यार्थियों को निशुल्क IIT-JEE एवं NEET की तैयारी कराई जाती है। इस वर्ष IITJEE MAINS के पहले प्रयास में छात्रों ने निम्न अंक प्राप्त किए :

98.75% 96.72%
93.67% 93.10%
92.44% 90.98%
89.66% 87.18%
73.20% 69.67%
69.44%

छात्राओं ने भी

91.39% 79.45%
77.48% 67%

अंक प्राप्त किए हैं

इन सभी छात्र-छात्राओं को बहुत बहुत बधाई । प्रकल्प व न्यास के सभी कार्यकर्ता इन विद्यार्थियों के सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने सम्मानित किया। उक्त अवसर पर संस्थान की प्रथम स्मारिका 'महामना पंडित मदन मोहन मालवीय भारतीयता के प्रतीक पुरुष' के संपादक श्री सौरभ मालवीय और प्रकाशक श्री मधुरेश जी ने अतिथियों के कर कमलों द्वारा विमोचन कराया। समाज के अनेक बंधु भगिनी ने बालिका प्रकल्प के निर्माण में अपने मुक्त हस्त से दान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ कृष्णगोपाल जी ने उपस्थित लोगों का प्रबोधन करते हुए कहा कि प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को योग्य से योग्यतम शिक्षा प्रदान करना समाज के संपन्न लोगों की जिम्मेदारी है। ऐसे बालिका प्रकल्प के निर्माण में हम सभी अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने अपने उद्बोधन से उपस्थित लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जब समाज आत्मनिर्भर होकर आगे चलता है और पीछे सरकार सहयोग करती है तो वह समाज स्वावलंबी होता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस प्रकल्प से महामना पंडित मदन मोहन मालवीय श्रद्धेय भाऊराव देवरस और आज के दिन जिनका जन्मदिन है ऐसे संत शिरोमणि संत रविदास जी जैसे महापुरुषों का नाम जुड़ा है तो निश्चित है कि यह संस्थान सदैव यशस्वी कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्रोफेसर शैल चंद्रा कुलकर्णी ने अपने आशीर्वचनों से सभी का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में न्यास से श्री ओमप्रकाश गोयल, श्री राहुल सिंह, श्री जितेंद्र अग्रवाल, महामना शिक्षण संस्थान के संरक्षक श्री प्रमोद तिवारी, श्री देव प्रकाश, डॉ नरेंद्र अग्रवाल, डॉ विनय कुमार गुप्त, श्री अखिलेश शुक्ल, श्री सतीश द्विवेदी, श्री देवेश राय, श्री निशांत शुक्ल, श्री सुरेंद्र मिश्र, माननीय अशोक सिंह, श्री सत्य प्रकाश मिश्रा आदि की उपस्थिति रही। महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प की संरक्षिका डॉ नीलिमा दीपक जी, श्रीमती सीमा अग्रवाल, डॉ अणिमा जम्वाल, डॉ मोनिका शुक्ला, श्रीमती रश्मि जैन, श्रीमती गरिमा मिश्रा, डॉ काजल ओझा आदि विदुषी बहनें उपस्थित रहीं। वंदे मातरम गीत के गायन के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में 1200 से अधिक बंधु भगिनी उपस्थित रहे। सभी के लिए भोजन व प्रसाद की व्यवस्था की गई थी।

एम्स विश्राम सदन, झज्जर

सुन्दरकाण्ड पाठ एवं होली मिलन समारोह आयोजित
दिनांक - 26 फ़रवरी 2023

विश्राम सदन (एन सी आई, एम्स) झज्जर में मरीजों के ठहरने और भोजन का प्रबंध न्यूनतम शुल्क पर भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा किया जाता है। रोगियों व उनके सहायकों का मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहे, इस दृष्टि से न्यास द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन 26 फ़रवरी को किया गया।

गुरुग्राम से आयी महिलाओं की मंडली द्वारा सुन्दरकाण्ड के संगीतमय पाठ से की गई। उनके भाव और संगीतमय चौपाइयों को सुनकर विश्राम सदन में उपस्थित सभी बन्धु/भगिनी भावविभोर हो गए। आरती के बाद सभी ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

मंचीय कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्जवलन और अतिथियों के सम्मान के साथ हुआ। स्कूली छात्राओं द्वारा मनमोहक नृत्य नाटिका की भी प्रस्तुति हुई। नन्ही छात्राओं ने अत्यंत खूबसूरत नृत्य प्रस्तुत किया जिनके दौरान बीच बीच में भी दर्शक ताली बजाने से स्वयं को रोक नहीं सके। इन्हीं छात्राओं ने हनुमान चालीसा को नृत्य की भावभंगिमाओं के साथ एक अनूठे ढंग से प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय सेवा प्रमुख मा. श्रीकृष्ण जी, न्यास के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गोयल, सचिव श्री राहुल सिंह और कोषाध्यक्ष श्री रामअवतार किला, श्रीमती सुशीला किला, इस सदन की संचालन समिति से श्री विकास कपूर जी, डॉ योगेन्द्र मलिक जी, डॉ अश्वनी खासा जी और डॉ चन्द्र जी सहित लगभग 500 लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

न्यास के सचिव श्री राहुल सिंह जी ने न्यास द्वारा किए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों की संक्षिप्त जानकारी सबके बीच रखी। न्यास की मासिक पत्रिका सेवा संवाद की प्रतियां भी सभी को वितरित की गई।

कवि सम्मलेन में हरियाणा के नामचीन कवि और कवयित्रियों, श्री अनिल श्रीवास्तव, श्रीमती वीणा अग्रवाल, श्री राजेंद्र राज निगम, श्री नरेन्द्र खामोश, श्री देवेन्द्र गौड़ और श्रीमती इन्दुनिगम ने अपनी हास्य रचनाओं द्वारा दर्शकों को हंसाया, गुदगुदाया और उन्हें बार बार तालियाँ बजाने पर विवश किया। अंत में धन्यबाद ज्ञापन डॉ अश्वनी खासा जी ने किया।

अक्षय सेवा प्रकल्प - दिल्ली

भूखे को जीवन के लिए अत्यावश्यक भोजन कराना अत्यंत ही पुण्य का काम है। न्यास की योजना से पिछले लगभग 6 वर्षों से दिल्ली के तीन प्रमुख अस्पतालों के निकट दोपहर के भोजन वितरण का कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष तो इसमें एक और केंद्र जोड़ने का सौभाग्य मिला है। अक्षय सेवा प्रकल्प ने आप सभी की शुभकामनाओं के फलस्वरूप मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर दिल्ली में लेडी हार्डिंग अस्पताल के गेट क्र. 5 के सामने प्रतिदिन दोपहर के भोजन का वितरण प्रारम्भ किया है। इस प्रकार दिल्ली में एम्स, सफदरजंग, राम मनोहर लोहिया अस्पतालों के बाद यह चौथा केंद्र प्रारम्भ करने में प्रकल्प सफल हुआ है। अब प्रतिदिन लगभग 2500 लोगों को भोजन खिलाने में प्रकल्प सफल हो रहा है। आशा है दिल्ली में कुछ अन्य स्थानों पर और कुछ अन्य शहरों में भी यह व्यवस्था प्रारम्भ हो सकेगी।

समय समय पर अनेक महानुभाव अपने हाथों से भोजन वितरण कर इस पुनीत कार्य से जुड़ते रहते हैं और आनंद और आत्मसंतुष्टि का अनुभव करते हैं। न्यास का आप सभी से भी अनुरोध है कि परिवार सहित यहाँ आकर भोजन वितरण में सहभागिता करें, स्वयं आनंद की अनुभूति करें और अपने बच्चों को अच्छे संस्कारों का बोध कराएं।

आर्यभट्ट

भारत में सबसे पहला गणितज्ञ आर्यभट को माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि 5वीं सदी में उन्होंने ही ये सिद्धांत दिया था कि धरती गोल है, सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है और ऐसा करने में उसे 365 दिन का समय लगता है। उनके नाम पर ही भारत के पहले उपग्रह का भी नाम रखा गया था। आर्यभट्ट की मुख्य खोज कार्य/रचनाएँ निम्नवत हैं – आर्यभटीय, भाग – गीतिकापद, गणितपद, कलाक्रियापद, गोला पद, पाई का मान, शून्य की उत्पत्ति, अनिश्चित समीकरणों के हल, बीजगणितीय सूत्रों का प्रतिपादन, त्रिकोणमिति व ज्या-कोज्या का प्रतिपादन, ग्रहों की गति के सिद्धांत, चंद्र ग्रहण व सूर्य ग्रहण आदि।

विभिन्न प्रकल्पों में

विश्राम सदनों में कम्बल वितरण

भयंकर ठण्ड के मौसम में अभावग्रस्त लोगों की सहूलियत के लिए लोहिया ग्रुप के श्री आयुष लोहिया ने गरीबों में वितरण हेतु 1200 कम्बल न्यास को उपलब्ध कराए। इन्हें लखनऊ के दोनों विश्राम सदनों एवं दिल्ली और झज्जर स्थित विश्राम सदनों में वितरित किया गया। दिल्ली के विश्राम सदन में न्यास के कोषाध्यक्ष श्री रामअवतार किला जी और उनके पुत्र श्री अनीश किला ने अपने हाथों से जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किए। इस पुनीत कार्य के लिए श्री आयुष लोहिया जी का हृदय से आभार। भगवान से प्रार्थना है कि आयुष लोहिया जी व लोहिया ग्रुप को भविष्य में भी ऐसे सत्कर्म हेतु प्रेरित करते रहें।

क्रांतिकारी की मानव कवच : तोसिको बोस (अनजानी विदेशी बलिदानी)

जापानी महिला तोसिको बोस का नाम भारतीय क्रान्तिकारी इतिहास में अल्पज्ञात है। उनकी आयु केवल 28 वर्ष ही रही परन्तु इस सावित्री तुल्य नारी का भारतीय स्वाधीनता संग्राम को आगे बढ़ाने में अनुपम योगदान रहा।

महान क्रांतिकारी रासबिहारी बोस को गिरफ्तार करने के लिये अंग्रेजों ने दूर-दूर तक जाल बिछा दिया था, अतः वे मई 1915 में नाम और वेश बदलकर जापान चले गये। जापान और ब्रिटेन में एक सन्धि के अन्तर्गत कोई भारतीय अपराधी यदि जापान में छिपा हो, तो उसे भारत लाया जा सकता था पर जापानी नागरिक को नहीं। 20 वर्षीय तोसिको को जब भारतीयों पर ब्रिटिश शासन द्वारा किये जा रहे अत्याचारों का पता लगा तो उसका हृदय आन्दोलित हो उठा और उन्होंने स्वयं ही रासबिहारी बोस से विवाह कर और उन्हें जापानी नागरिकता दिलाकर उनकी मानव कवच बनने का निर्णय ले लिया।

इस अवसर का लाभ उठाकर रासबिहारी बोस ने दक्षिण पूर्व एशिया में रह रहे भारतीयों को संगठित किया और वहां से साधन जुटाकर भारत में क्रान्तिकारियों के पास भेजे। उन्होंने आसन्न द्वितीय विश्व युद्ध के वातावरण का लाभ उठाकर आजाद हिन्द फौज के गठन में भी बड़ी भूमिका निभायी।

गुप्त और अज्ञातवास के कष्टपूर्ण जीवन ने तोसिको को तपेदिक (टी.बी) का रोगी बना दिया जो उन दिनों असाध्य रोग था। 4 मार्च, 1925 को मात्र 28 वर्ष की अल्पायु में वे इस संसार से विदा हो गयीं। भारत की आजादी के लिए इस अमर बलिदान के लिए उन्हें कोटि कोटि नमन्।

समर्थ भारत - दिल्ली

दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर युवाओं को अलग-अलग विधाओं का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने का कार्य समर्थ भारत द्वारा पिछले 2 वर्षों से किया जा रहा है। इसके माध्यम से सैकड़ों युवा लाभान्वित हो चुके हैं और उनमें से अनेकों ने अपना स्व-रोजगार भी प्रारम्भ किया है। फ़रवरी मास में समर्थ भारत में विभिन्न केन्द्रों की गतिविधियों की जानकारी नीचे दी गई है।

नाहरगढ़ में प्रशिक्षण केंद्र का शुभारम्भ : दिनांक 5 फ़रवरी को नाहरगढ़ में समर्थ भारत के "डॉ हेडगेवार कौशल विकास केंद्र" का शुभारम्भ पश्चिमी विभाग के मा. विभाग संघचालक प्रो.बलराम पाणी जी द्वारा किया गया। इस केंद्र में ब्यूटिशियन तथा फैशन डिज़ाइनिंग का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

कैरियर डेवलपमेंट सेंटर (सीडीसी) - "लीड द फ्यूचर" नामक एक कार्यक्रम में, दिल्ली विश्वविद्यालय और समर्थ भारत ने दिनांक 07 फ़रवरी 2023 को डीयू के कन्वेंशन हॉल में कैरियर डेवलपमेंट सेंटर (सीडीसी) का शुभारंभ किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में भावी उद्यमी अपना स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहे थे। उन्होंने कुछ युवा उद्यमियों, और कुछ अन्य जिनके पास काफी अनुभव है, की सफलता की कहानियों को बड़े ध्यान से सुना। MOU हस्ताक्षर समारोह में विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्यों ने भाग लिया।

इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने कहा कि भाऊराव देवरस सेवा न्यास की एक परियोजना, समर्थ भारत द्वारा करियर विकास केंद्र शुरू किया गया है, जिससे एक स्टार्ट-अप सपोर्ट इकोसिस्टम बनेगा जो युवा दिमाग को कौशल विकास से परिचित कराएगा। समर्थ भारत के संरक्षक श्री भारत भूषण अरोड़ा ने बताया कि समर्थ भारत कैसे अस्तित्व में आया, कैसे जब देश कोविड-19 वायरस की चपेट में था तब बहुत से लोग बेरोजगार हो गए थे अतः न्यास ने समर्थ भारत के माध्यम से कौशल विकास पर जोर दिया। इस कौशल विकास का परिणाम है कि यहाँ से प्रशिक्षित अनेक युवा आज 15,000 रुपये से 50,000 रुपये तक कमा रहे हैं।

इस अवसर पर सेवा भारती दिल्ली के अध्यक्ष श्री रमेश अग्रवाल, न्यास के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गोयल और न्यास के सचिव श्री राहुल सिंह जी भी उपस्थित थे। न्यास और समर्थ भारत के कार्यकर्ताओं को आशा है कि अभी 20 कॉलेजों में कैरियर डेवलपमेंट सेंटर शुरू होने से अनेकों युवाओं को लाभ मिलेगा जिसे देखकर अन्य कॉलेज भी इस कार्य में समर्थ भारत से जुड़ने को प्रेरित होंगे। अधिक से अधिक छात्र इस सुविधा का लाभ उठा सकें और देश में स्वरोजगार की ओर आज के युवा को बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकें, यही इसका लक्ष्य है।

NSDC असिसमेंट – दिनांक 11 फ़रवरी को एनएसडीसी - पीसीटीआई द्वारा ब्यूटीशियन बैच का आकलन पहाड़गंज केंद्र पर किया गया जिसमें कुल 49 पात्र प्रशिक्षुओं में से कुल 21 प्रशिक्षु आकलन हेतु उपस्थित हुए। दिनांक 15 फरवरी को समर्थ भारत के

पहाड़गंज प्रशिक्षण केंद्र पर एनएसडीसी के द्वारा AC तथा रेफ्रिजरेटर के प्रशिक्षार्थियों का आकलन किया गया, जिसमें कुल 19 अपेक्षित प्रशिक्षार्थियों में से 6 प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

नाइयों के साथ कालकाजी में बैठक – दिनांक 21 फरवरी को दक्षिणी दिल्ली के रामकृष्ण सरस्वती विद्या निकेतन, कालका जी में सैलून वाले भाईओं की बैठक सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में समर्थ भारत के श्री राकेश जी की अध्यक्षता में वर्को फ़ाउंडेशन के सीईओ श्री सुभाष जी ने वर्को एप के माध्यम से काम करने के लाभ बताए। उन्होंने ऐप की बेहतरी के लिए सुझाव माँगे और अपने मित्रों को इससे जुड़ने के लिए आह्वान किया। इस में दक्षिणी दिल्ली के 09 सैलून मालिकों ने भाग लिया।

प्रमाणपत्र वितरण - पूर्ण हो चुके तीन ब्यूटिशियन के बैच जिसमें मालवीयनगर केंद्र के तीसरे बैच, रघुबीर नगर केंद्र के दूसरे बैच तथा तोताराम बाज़ार केंद्र के पहले बैच के कुल 64 प्रशिक्षार्थियों को दिनांक 23 फरवरी को प्रमाणपत्र दिए गए।

आई एन ए प्रशिक्षण केंद्र की गतिविधियाँ – ब्यूटिशियन कोर्स - इस केंद्र पर ब्यूटिशियन के पहले बैच का प्रशिक्षण दिनांक 16 जनवरी से विधिवत प्रकार से प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण तीन माह के पश्चात 15 अप्रैल को पूर्ण होगा। इस बैच में 21 प्रशिक्षार्थी सुश्री अंजली जी के द्वारा प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत सभी को KVIC के द्वारा प्रमाणपत्र भी दिया जायेगा। इस माह निम्न विषय कवर किये गए हैं – अल्ट्रासोनिक फेसिअल, मेनिक्योर, पेडिक्योर, प्रेसिंग, हेयर कर्ल्स, हॉट रोलर, हेयर मेंहदी, केयर केराटिन, हेयर प्यूमिंग, हेयर स्मूथनिंग, हेयर रिबोंडिंग, हेयर कलर, साड़ी बाँधना, पेराफिन वैक्स, मेकअप, स्मोकी आईज आदि।

त्रिलोकपुरी ब्लाक ३६ प्रशिक्षण केंद्र की गतिविधियाँ – AC और रेफ्रीजिरेटर कोर्स - इस केंद्र पर ए.सी. और रेफ्रीजिरेटर के पहले बैच का एक माह का प्रशिक्षण दिनांक 6 फरवरी को प्रारंभ हुआ। इस बैच में 12 प्रशिक्षार्थी श्री संजीव जी के द्वारा प्रशिक्षण ले रहे हैं जिसके उपरांत सभी को KVIC के द्वारा प्रमाणपत्र भी दिया जायेगा।

संगम विहार, सैनिक फार्म केंद्र गतिविधियाँ – जी.एस.टी. और टैली कोर्स - इस केंद्र पर जी.एस.टी. और टैली कोर्स के द्वितीय बैच का एक माह का प्रशिक्षण दिनांक 10 जनवरी से ट्रायल कक्षा के साथ प्रारंभ हुआ था। इस बैच में माह के अंत तक 15 प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण ले रहे थे। प्रशिक्षण सुश्री रीना प्रजापति जी के द्वारा दिया गया।

पावन स्मृति - मार्च

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया,अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं।

दिनांक	दिवस	महापुरूषों का नाम
1 मार्च	बलिदान दिवस	क्रांतिवीर गोपीमोहन साहा
3 मार्च	पुण्य तिथि	स्वतंत्रता सेनानी लाला हरदयाल
3 मार्च	जन्म दिवस	कारगिल युद्ध का सूरमा संजय कुमार
4 मार्च	पुण्य तिथि	क्रांतिकारी की मानव कवच तोसिको बोस (रास बिहारी बोस की पत्नी)
8 मार्च	जन्म दिवस	संत तुकाराम
11 मार्च	जन्म दिवस	सिन्धु का क्रांतिवीर हेमू कालाणी
11 मार्च	बलिदान दिवस	संभा जी का बलिदान दिवस
20 मार्च	बलिदान दिवस	वीरता की प्रतिमूर्ति अवन्तीबाई लोधी
21 मार्च	जन्मदिवस	विश्वनाथ के आराधक बिस्मिल्ला खां
23 मार्च	अमर बलिदान	भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव
23 मार्च	जन्म दिवस	कृष्ण प्रेम में दीवानी मीराबाई
25 मार्च	बलिदान दिवस	क्रांतिकारी गणेश शंकर विद्यार्थी
29 मार्च	पुण्य तिथि	सेवा और समर्पण के अनुपम साधक गुरु अंगद देव जी
29 मार्च	जन्मदिवस	नयी कविता के प्रमुख हस्ताक्षर भवानी प्रसाद मिश्र
30 मार्च	जन्मदिवस	आदर्श कार्यकर्ता : अप्पा जी जोशी

रानी ठाकुर अवन्तीबाई

(जन्म : 16 अगस्त 1831 - बलिदान : 20 मार्च 1858

रानी ठाकुर अवन्तीबाई भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली प्रथम महिला शहीद वीरांगना थीं। उनका जन्म ग्राम मनकेड़ी, जिला सिवनी, मध्यप्रदेश में हुआ था। उनके पति और रामगढ़ राज्य के शासक राजा विक्रमाजीत सिंह बचपन से ही वीतरागी प्रवृत्ति के थे। अत: राज्य संचालन का काम उनकी पत्नी रानी ठाकुर अवंतीबाई ही करती रहीं। उनके दो पुत्र हुए-अमान सिंह और शेर सिंह। अंग्रेजों के शासन को उखाड़ फेंकने के लिए रानी अवंतीबाई ने क्रांति की शुरुआत की। भारत में इस पहली महिला क्रांतिकारी ने अंग्रेजों के विरुद्ध ऐतिहासिक निर्णायक युद्ध किया जिससे रामगढ़ की रानी अवंतीबाई का नाम पूरे भारत में अमर शहीद वीरांगना के रूप में है।

1857 की क्रांति में रामगढ़ की रानी ठाकुर अवंतीबाई रेवांचल में मुक्ति आंदोलन की सूत्रधार थीं। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में इस राज्य की अहम भूमिका थी, जिससे भारत के इतिहास में एक नई क्रांति आई। गोरिल्ला युद्ध करते हुए उन्होंने अंग्रेजी सेना को कई बार परास्त किया। 20 मार्च 1858 को हुए युद्ध में अपनी पराजय निश्चित जानकर उन्होंने अपने अंगरक्षक की

तलवार से अपना अमर बलिदान दे दिया। मात्र 26 वर्ष की अल्पायु में ही देश पर न्यौछावर होने वाली इस वीरांगना के बलिदान को नमन करते हुए भारत सरकार ने दो बार डाकटिकट जारी किए। ऐसी वीरांगना को हमारा शत शत नमन।

गुरू अंगद देव

(जन्म 31 मार्च 1504 – मृत्यु 29 मार्च 1552)

अंगद देव या गुरू अंगद देव सिखों के दूसरे गुरू थे। उनका सृजनात्मक व्यक्तित्व था और उनमें ऐसी अध्यात्मिक क्रियाशीलता थी जिससे पहले वे एक सच्चे सिख बने और फिर एक महान गुरु।

गुरू अंगद साहिब जी (भाई लहना जी) का जन्म हरीके नामक गांव, फिरोजपुर, पंजाब में 31 मार्च 1504 को एक व्यापारी श्री फेरु जी और माता रामो जी के घर हुआ था। उनके ऊपर सनातन मत का प्रभाव था। गुरु नानक देव जी से मिलने पर उनका गहरा प्रभाव भाई लहना पर पड़ा। उनका चरित्र बदल गया और वह सिख धर्म में परिवर्तित होकर करतारपुर में रहने लगे।

गुरु और सिख धर्म के प्रति उनकी गहरी आस्था को देखकर गुरु नानक ने उन्हें दूसरे नानक की उपाधि और गुरु अंगद का नाम दिया। कहा जाता है कि गुरु बनने के लिए गुरुनानक जी ने इनकी सात परिक्षाएं ली थी। गुरु नानक जी की मृत्यु के बाद गुरु अंगद जी ने उनके उपदेशों को आगे बढ़ाने का काम किया। गुरु अंगद साहिब के नेतृत्व में ही लंगर की व्यवस्था का व्यापक प्रचार हुआ जिसने असली रूप में जात पात और छूआछात के भेद को मिटा दिया। इन्होंने ही गुरुमुखी की रचना की और गुरु नानक देव की जीवनी लिखी थी। इन्होंने ही अखाड़ा बनाया जहाँ पर लोगों में उत्साह और शारीरिक बल को कायम रखने के लिये कसरतें करना आरम्भ करवाया। 48 वर्ष की अल्पायु में ही गुरु अंगददेव जी ने मोक्ष प्राप्त किया।

नियम-8 (फार्म-4)

प्रकाशन स्थान	**लखनऊ**
प्रकाशन अवधि	**मासिक**
मुद्रण का स्थान	**नूतन आफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ**
प्रकाशक का नाम	**जितेन्द्र कुमार अग्रवाल**
पता	**सी-91 निराला नगर, लखनऊ-226020**
क्या भारत के नागरिक हैं ?	**हाँ**
सम्पादक का नाम	**डा. शिवभूषण त्रिपाठी**
पता	**सी-91 निराला नगर, लखनऊ-226020**
क्या भारत के नागरिक हैं ?	**हाँ**

उन व्यक्तियों के नाम व पते जो पत्रिका के स्वामी हों तथा जो समस्त पूँजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास, सी-91 निराला नगर, लखनऊ-226020

मैं जितेन्द्र कुमार अग्रवाल एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गये विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 1.3.2023

जितेन्द्र कुमार अग्रवाल
(ह० प्रकाशक)

विश्राम सदनों में फरवरी-2023 में आने वाले नए रोगी व सहायक

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU, लखनऊ	विश्राम सदन, दिल्ली	IGIMS, पटना	एम्स, झज्जर	योग
1	जम्मू कश्मीर			2		5	7
2	हिमाचल प्रदेश			8			8
3	पंजाब	3	3	1	0	5	12
4	हरियाणा	2		18	1	274	295
5	दिल्ली	13		22	6	114	155
6	उत्तराखंड		2	26	4	16	48
7	उत्तर प्रदेश	1687	810	223	2	435	3157
8	बिहार	1070	44	251	2275	114	3754
9	झारखण्ड	90	3	30	33	20	176
10	सिक्किम				1	1	2
11	नागालैंड						
12	असम	2		3		1	6
13	मणिपुर /मिजोरम						
14	अरुणाचल प्रदेश						
15	त्रिपुरा			6			6
16	मेघालय						
17	प. बंगाल	8		34	4	8	54
18	ओडिशा/अंदमान			5	3	4	12
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना						
20	तमिलनाडु /पुदुच्चेरी						
21	कर्नाटक						
22	केरल			3			3
23	महाराष्ट्र /गोवा	4	11		1	3	19
24	मध्य प्रदेश	51		38	1	18	108
25	छत्तीसगढ़	10		2			12
26	गुजरात						
27	राजस्थान		1	19		25	45
28	अन्य						
	पड़ोसी देश						
29	नेपाल	6		8	10	4	28
30	बांग्लादेश						
31	अन्य देश						
		2946	**874**	**699**	**2341**	**1047**	**7907**
	योग (अप्रैल 22 - मार्च 23)	**26741**	**7753**	**5982**	**18395**	**6519**	**65390**

RNIN-UPHIN/2005/15853

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केंद्र	फरवरी	अप्रैल 22 से
वेदांत आश्रम पपनामऊ चिनहट	0	196
सेवा समर्पण संस्थान, बिन्दौवा	107	1507
गोपालपुरा	54	231
51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब	28	441
अम्बेडकर नगर	40	343
माधव सेवा आश्रम	14	147
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र		
एलोपेथिक	573	6014
होम्योपैथिक	364	3585
रूग्ण सेवा केंद्र, माधव सेवा आश्रम	230	2465
कुल लाभान्वित रोगी	**1410**	**14929**

नेत्र चिकित्सा (फरवरी)

	देवड़े नेत्र चिकित्सालय लखनऊ	अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	योग (अप्रैल 2022 से)
नेत्र परीक्षण	573	2309	28204
चश्मा वितरण	255	1487	19269
मोतियाबिंद ऑपरेशन	17		167
Fundus Test	125		173
OCT Test	12	0	18
पैथोलॉजी	77	0	1944

आलोक : नेत्र एवं पैथोलॉजी जाँच केवल 20 रूपये के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है

आप भी लिखें :- सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख (चित्र सहित), सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा संस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं सुझाव आदि सामग्री तथा सेवा संवाद के प्रकाशित अंकों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित कर हमारा मार्गदर्शन, सहयोग करने का कष्ट करें- सम्पादक।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	संपर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती अनिमा जम्वाल	9839582266
सामाजिक विज्ञानं एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन, के.जी.एम.यू. , लखनऊ	श्री जितेन्द्र अग्रवाल	9415003111
देवडे नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक), लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्धवार्षिक), लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
विश्राम सदन, एम्स , दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र, दिल्ली	श्री गौरव गर्ग	9918532007
विश्राम सदन, आई. जी. आई. एम. एस., पटना	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457
विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा)	श्री विकास कपूर	9818098600
माधव सेवा विश्राम सदन , ऋषिकेश	श्री संजय गर्ग	9837042952
अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	डॉ सुशील उपाध्याय	9554966006

बुक पोस्ट
छपा-साहित्य

सेवा में,

मुद्रक एवं प्रकाशक : श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा भाऊराव देवरस सेवा न्यास सी-91, निराला नगर, लखनऊ-226020 के लिए नूतन ऑफसेट मुद्रण केंद्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ-226002 से मुद्रित, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, सी-91, निराला नगर, लखनऊ-262020 से प्रकाशित - सम्पादक : डॉ शिवभूषण त्रिपाठी